भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3466

जिसका उत्तर 10 अगस्त, 2023 को दिया जाना है।

.....

ताप्ती रिवर फ्रंट

3466. श्री राजेन्द्र धेड्या गावित:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का निकट भविष्य में ताप्ती रिवर फ्रन्ट को विकसित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है; और

(घ) अन्य नदियों के लिए ऐसे प्रस्तावों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडु)

(क) से (घ): जल शक्ति मंत्रालय गंगा बेसिन नदियों के लिए नमामि गंगे और अन्य नदियों के लिए राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (एनआरसीपी) जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करते हुए नदियों के संरक्षण के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों में सहायता करता आ रहा है।

एनआरसीपी के अंतर्गत, गुजरात के सूरत में ताप्ती नदी के प्रदूषण रोकथाम की परियोजना को मार्च 2019 में कुल 971.25 करोड़ रुपए की स्वीकृत लागत से मंजूरी दी गई थी जिसमें कामरेज, भीमनाथ, गलतेश्वर और वाघेछा में मंदिरों के पास 3.8 करोड़ रुपए की लागत से रिवर फ्रंट विकास कार्य शामिल हैं। जम्मू और कश्मीर के उधमपुर में देविका और तवी नदियों में प्रदूषण रोकथाम के लिए सितंबर 2018 में 186.74 करोड़ रुपए की कुल लागत की स्वीकृत परियोजना में 2.55 करोड़ रुपए की लागत से मेला ग्राउंड के पास रिवर फ्रंट विकास कार्य शामिल हैं।

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत, बिहार के पटना, उत्तराखंड के हरिद्वार और बद्रीनाथ में क्रमश: 330.86 करोड़ रुपए, 69.18 करोड़ रुपए और 59.21 करोड़ रुपए की लागत से गंगा नदी रिवर फ्रंट विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। इनमें से, पटना और हरिद्वार में परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं।

****